स्वर्ण दिल्ली

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 12, अंक 246 नई दिल्ली

शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024, पृष्ठः 8 मूल्यः 5 रुपये

दिलजीत दोसांझ कॉन्सर्ट के टिकटों की कालाबाजरी, पीआईएल पर दिल्ली हाईकोर्ट ने किया नोटिस जारी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को टिकटों की कालाबाजरी को लेकर दायर जनहित याचिका (पीआईएल) की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायाधीश तुषार राव गेडेल की पीठ ने इस मामले में नोटिस जारी करते हुए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और अन्य प्रतिवादियों से जवाब मांगा।

याचिका में टिकटों की कालाबाजारी को 'गैरकानूनी, धोखाधड़ी और शोषणकारी' बताते हुए दिलजीत दोसांझ के 26 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले कॉन्सर्ट के टिकटों की बिक्री में हुई हेराफेरी की जांच के लिए एक समिति गठित करने की मांग की गई।

इसके अलावा, याचिका ने टिकटों की कालाबाजारी को रोकने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने की मांग की, या वैकल्पिक रूप से 'टिकट स्कैल्पिंग' अभ्यास को नियंत्रित करने के लिए एक कानूनी ढांचा स्थापित करने की मांग की गई। इसमें कहा गया कि "यह प्रथा बाजार के सिद्धांतों को कमजोर करती है और कई बार वैध खरीदारों को मौका मिलने से पहले टिकटों को जमा करने के लिए बॉट्स (ऑनलाइन ऑटोमेटेड प्रक्रिया) या अनैतिक तरीकों का उपयोग करती है।" पीआईएल में कहा गया है कि टिकट स्कैल्पिंग की कुप्रथा टिकट खरीदने की प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं और ये प्रशंसकों के साथ भी है, इससे ऐसा माहौल बनता है कि वही लोग कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं, जो ज्यादा पैसे खर्च करने को तैयार रहते हैं। पीआईएल में आगे कहा गया कि कालाबाजारी का सरकारी राजस्व पर भी खराब असर पड़ेगा।

मुर्मु, मोदी, राजनाथ, शाह और बिरला सहित विभिन्न नेताओं ने रतन टाटा के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित विभिन्न नेताओं ने प्रसिद्ध उद्योगपति रतन एन टाटा के निधन पर शोक जताया है।

श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने शोक संदेश में बुधवार को लिखा, 'श्री रतन टाटा के दुखद निधन से भारत ने एक ऐसे महान व्यक्तित्व को खो दिया है, जिन्होंने कॉर्पोरेट विकास को राष्ट्र निर्माण और उत्कृष्टता को नैतिकता के साथ जोड़ा। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित श्री रतन टाटा ने टाटा की महान विरासत को आगे बढ़ाया तथा वैश्विक स्तर पर इसे और अधिक प्रभावशाली वैश्विक उपस्थिति दी। उन्होंने अनुभवी पेशेवरों और युवा छात्रों को समान रूप से प्रेरित किया। परोपकार और दान के लिए उनका योगदान अमूल्य है। मैं उनके परिवार, टाटा समूह की पूरी टीम और दुनिया भर में उनके प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं।'

श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक पर लिखा, 'श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, एक दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। साथ ही, उनका योगदान बोर्डरूम से कहीं आगे तक गया। उन्होंने अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई लोगों के बीच अपनी जगह बनाई।'

उन्होंने कहा, 'श्री रतन टाटा जी का सबसे अनोखा पहलू था बड़े सपने देखने और दूसरों को कुछ देने का उनका जुनून। वे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पशु कल्याण जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे थे। श्री रतन टाटा जी के साथ मेरी अनगिनत मुलाकातें मुझे याद हैं। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब मैं उनसे अक्सर मिलता था। हम विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करते थे। मुझे उनके विचार बहुत उपयोगी लगते थे। दिल्ली आने पर भी ये मुलाकातें जारी रहीं। उनके निधन से मुझे बहुत कष्ट पहुंचा है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।'

प्रधानमंत्री ने एक्स पर श्री रतन टाटा के साथ अपनी एक फोटो भी शेयर की है, जिसमें दोनों दो कुर्सी पर साथ-साथ बैठे हैं और प्रसन्न मुद्रा में एक दूसरे को देख रहे हैं।

श्री सिंह सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शोक संदेश में कहा,'श्री रतन टाटा के निधन से मुझे दुःख पहुंचा है। वह भारतीय उद्योग जगत के महान नायक थे, जिन्हें हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए जाना जाता है। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उसकी आत्मा को शांति मिलें।'

श्री शाह ने एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा, 'महान उद्योगपति और सच्चे राष्ट्रवादी श्री रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुखी हूं। उन्होंने निस्वार्थ भाव से अपना जीवन हमारे राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया। जब भी मैं उनसे मिला भारत और उसके लोगों की बेहतरी के लिए उनके उत्साह और प्रतिबद्धता ने मुझे चकित कर दिया। हमारे देश और उसके लोगों के कल्याण के लिए उनकी प्रतिबद्धता ने लाखों सपनों को जन्म दिया। समय रतन टाटा जी को उनके प्यारे देश से दूर नहीं कर सकता। वह हमारे दिलों में ज़िंदा रहेंगे। टाटा समूह और उनके अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएँ। ओम शांति शांति शांति !

श्री बिरला ने यहां जारी शोक संदेश में कहा, 'भारत ने आज एक ऐसे महान उद्योगपति और समाजसेवी को खो दिया, जिन्होंने न केवल भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया, बल्कि अपनी निःस्वार्थ सेवा और उदारता से समाज के हर वर्ग को प्रेरित किया।'

उन्होंने उद्योगपति रतन टाटा की सादगी का स्मरण करते हुए उनकी आत्मा की शांति की कामना की और कहा, 'श्री रतन टाटा जी की सादगी, दूरदर्शिता और सेवा भावना युगों-युगों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। उनका जाना देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ओम शांति।'

दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने श्री रतन टाटा के निधन को एक युग का अवसान बताया। उन्होंने कहा, 'श्री टाटा व्यवसाय जगत के ऐसे पुरोधा थे जिन्होंने नेतृत्व के नए आयाम जो सत्य निष्ठा और करुणा को समर्पित थे। वास्तव में उन्होंने व्यवसाय जगत और समाज पर अपनी एक अमित छाप छोड़ी है।'

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन श्री टाटा के निधन पर गहरा दुख्य व्यक्त करते हुए कहा कि रतन टाटा सचमुच भारतीय उद्योग जगत के एक वटवृक्ष तथा विनम्रता और करुणा की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से न केवल टाटा समूह को आकार दिया बल्कि विश्व स्तर पर व्यवसाय में नैतिकता के नए मानक स्थापित किये।

रमेश नगर एक गोदाम में मिली 200 किलो कोकीन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने फिर से नशे की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने रमेश नगर इलाके के एक गोदाम से 200 किलो कोकीन बरामद की। जिसकी कीमत तकरीबन 2 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। बता दें कि अक्टूबर महीने में पुलिस ने 7 हजार करोड़ से अधिक की ड्रग्स जब्त कर ली है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस कोकीन को लाने वाला शख्स लंदन भाग गया है। दिल्ली के रमेश नगर इलाके में बरामद की गई इस कोकीन को जिस कार में लाया गया था, उसमें जीपीएस लगा हुआ था। स्पेशल सेल को इस खेप की सूचना मिलते ही कार की जीपीएस लोकेशन को ट्रैक करते हुए पुलिस टीम गोदाम तक पहुंची, जहां यह कोकीन छिपाई हुई थी।पुलिस का मानना है कि यह कोकीन उसी सिंडिकेट से संबंधित है जिसकी 5600 करोड़ रुपये की कोकीन 2 अक्टूबर को जब्त की गई थी। इस पूरे मामले में पुलिस लगातार छानबीन कर रही है और जल्द ही और खुलासे होने की उम्मीद है।

बता दें कि दिल्ली पुलिस ने हाल ही में हुई 5600 करोड़ रुपये की कोकीन जब्ती के मामले में मास्टरमाइंड वीरेंद्र बसोया के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया है। माना जा रहा है कि बसोया विदेश में बैठकर इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट का संचालन कर रहा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महिपालपुर इलाके में एक छापेमारी के दौरान 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना जब्त किया था। जांच में सामने आया है कि यह पूरी खेप बसोया द्वारा भेजी गई थी। पुलिस ने इस मामले में बसोया के करीबी तुषार गोयल को भी गिरफ्तार किया है।

जिससे पूछताछ जारी है। कोकीन एक ऐसा नशा है जो न केवल व्यक्ति बल्कि समाज और देश को भी बर्बाद कर रहा है। ये मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डालता है और व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से बीमार बना देता है।कोकीन सेवन से दिल का दौरा, स्ट्रोक, किडनी की बीमारी, मानसिक बीमारियां जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। यह व्यक्ति की प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है, जिससे वह अन्य बीमारियों का भी शिकार हो सकता है।

सम्पादक की कलम से

ईवीएम पर ही नहीं खुद पर भी सोचे कांग्रेस!

कांग्रेस के मठाधीशों की यह कहानी लंबी है। लेकिन इसका तोड़ बहुत छोटा है। हाईकमान की सख्ती। क्षत्रपों को हमेशा बताते रहना कि कांग्रेस से तुम हो। तुम से कांग्रेस नहीं। कितने उदाहरण हैं। मध्यप्रदेश में तो कमलनाथ पागल ही हो गए थे। खुद को भावी मुख्यमंत्री लिखवाने लगे थे। बुरी तरह हरवाया मध्य प्रदेश। फिर बेटे को लेकर बीजेपी में जा रहे थे। लेकिन कांग्रेस अभी भी उन पर कोई एक्शन लेने की हिम्मत नहीं कर रही। हरियाणा में क्या हुआ? हरियाणा में क्या हुआ? कोई नहीं समझ पा रहा। कांग्रेस ईवीएम को दोष दे रही है। हो सकता है। ईवीएम हमेशा शक के दायरे में रही। और कांग्रेस ही नहीं खुद भाजपा ने इस पर कई बार ऊंगलियां उठाईं। भाजपा नेता जीवीएल नरसिम्हा राव ने 'डेमोक्रेसी एट रिस्क! कैन वी ट्रस्ट अवर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन?' पूरी किताब लिख दी थी। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवानी ने इसकी भूमिका लिखी थी। किताब में ईवीएम को पूरी तरह बेईमानी का जरिया बताया गया था। आडवानी और दूसरे भाजपा नेताओं ने पूरे देश में घूम घूम कर ईवीएम का विरोध किया था। यह २००९ के लोकसभा चुनाव के भाजपा की हार के बाद की बात है। कांग्रेस ने 2018 में इसके खिलाफ अपने राष्ट्रीय अधिवेशन (प्लेनरी) में प्रस्ताव पारित किया। अभी लोकसभा चुनाव के पहले भी सवाल उठाए। मगर इसे एक सबसे बड़ा मुद्दा बनाने का ज्यादा प्रयास कभी नहीं किया। मुद्दा उठाया। छोड़ दिया। अब हरियाणा की अविश्वसनीय हार के बाद फिर सवाल उठाया है। सही है। उठाना चाहिए। लेकिन कुछ सवाल खुद से भी करना चाहिए। एक, हरियाणा एक ऐसा राज्य था जहां कांग्रेसी बहुत दबंग थे। दस साल के भाजपा शासन में भी उनके कोई काम रुकते नहीं थे। कोई गिरफ्तार नहीं हुआ। किसी के यहां ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई के बड़े छापे कभी नहीं पड़े। जैसे उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश में कांग्रेस के कार्यकर्ता परेशान रहे वैसे हरियाणा में नहीं हुए। तो ऐसे राज्य में अफसर ईवीएम मशीनों से छेड़छाड़ की कितनी हिम्मत कर सकते हैं? और उस स्थिति में जहां खुद बीजेपी को जीत का यकीन नहीं हो। कांग्रेस जोश में बीजेपी पस्त फिर अफसरों की हिम्मत कैसे पड़ी? यह हम पहले भी लिख चुके हैं कि करने वाला तो आदमी होता है। और अगर उसे डर हो कि यह सब चीज नोटिस की जा रही है और कल गड़बड़ करने वाले को छोड़ा नहीं जाएगा तो वह गलत काम करने से डरेगा। हरियाणा में यह कैसे हुआ इसे कांग्रेस को अपनी भी एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर समझाना पड़ेगा। चुनाव आयोग में तो जाएं। मगर खुद भी वन्स एंड फारएवर इस मुद्दे को हल करना होगा। जब 2018 में दिल्ली के कांग्रेस अधिवेशन में यह प्रस्ताव पारित किया गया था। ईवीएम के खिलाफ तब राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष थे। हमने तब भी लिखा। 2019 कांग्रेस के लोकसभा हारने के बाद भी लिखा कि एक उच्चस्तरीय कमेटी जिसमें तकनीकी विशेषज्ञ हों, चुनाव आयोग के पूर्व आयुक्त हों, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज हों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हों इन सबको लेकर बनाना चाहिए। कांग्रेस की अभी इतनी खराब स्थिति नहीं आई है कि उसे लोग नहीं मिलें। ऐसी कमेटी पूरी स्टडी करके रिपोर्ट लेकर आती है तो उसका असर होगा।

सुषमा शर्मा

क्यों नहीं थम रहे पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हमले

पाकिस्तान में बीते रविवार को कराची हवाई अड्डे के पास आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिक मारे गए और कम से कम 10 लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। विस्फोट सिंध प्रांत में बिजली परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले पर निशाना साध कर हुआ था। पृथकतावादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने हाल के वर्षों में पाकिस्तान में विकास परियोजनाओं में शामिल चीनी नागरिकों पर बार-बार हमले किए हैं, ने सार्वजनिक घोषणा करके कहा है कि उसके संगठन ने ही हमला किया है। इसने कहा कि उसने कराची हवाई अड्डे से आ रहे "चीनी इंजीनियरों और निवेशकों के एक काफिले" को "निशाना बनाया"। यह हमला उस वक्त हुआ है जब पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इसमें भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी भाग लेना है। यह भी याद रखा जाए कि चीनियों पर हमला उस वक्त हुआ है जब वहां इंग्लैंड की क्रिकेट टीम टेस्ट मैच खेल रही है।

जाहिर है, आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान का यह दावा तार-तार हो गया है कि वहां हालात सामान्य हैं।

दरअसल पाकिस्तान में चीन के सहयोग से बन रही बहुत सारी विद्युत और अन्य विकास परियोजनाओं में काम करने वाले चीनी इंजीनियरों पर लगातार हो रहे हमले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। कुछ महीने पहले पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक जलविद्युत परियोजना पर आत्मघाती हमला हुआ था, जिसमें पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई। इसके बाद चीनी कंपनियों ने कम से कम तीन महत्वपूर्ण जलविद्युत परियोजनाओं पर अपना काम रोक दिया है। ये परियोजनाए हैं- दासू बांध, डायमर-बाशा बांध और तारबेला पांचवां एक्सटेंशन। चीनियों पर हमले सिर्फ खैबर पख्तूनख्वा में ही नहीं हो रहे हैं। चीनियों पर हमले बलूचिस्तान और सिंध में भी हो रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सटे हुए अफगानिस्तान से। पाकिस्तान के मीडिया में छपी खबरों पर यकीन करें तो इस साल के पहले तीन महीनों में देश के दो प्रमुख राज्यों क्रमशः खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बीते साल की इसी अवधि की तुलना में आतंकी और हिंसक वारदातों में 92 और 86 फीसद बढ़ोतरी हुई है।

कराची में धमाके पर चीनी दूतावास ने कहा कि उनके इंजीनियर चीनी-वित्तपोषित उद्यम पोर्ट क़ासिम पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड का हिस्सा थे, जिसका लक्ष्य कराची के पास पोर्ट क़ासिम में दो कोयला ऊर्जा संयंत्र बनाना थे। पाकिस्तान में हज़ारों चीनी नागरिक विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे हैं, उनमें से कई बीजिंग की अरबों डॉलर की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के हिस्से के रूप में दोनों देशों के बीच एक आर्थिक गलियारा बनाने में शामिल हैं।

बीएलए का दावा है कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा हैं, पर स्थानीय लोगों को कुछ नहीं मिल रहा है।

कराची में विस्फोट के बाद पाकिस्तान ने रस्मी अंदाज में कह दिया कि पाकिस्तान सरकार चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। खबरों के मुताबिक, विस्फोट होते ही कराची के बहुत बड़े भाग के आसमान में घना धुआं छा गया। सारे कराची में दहशत का माहौल व्याप्त है।

पाकिस्तान से आने वाली खबरों से संकेत मिल रहे हैं कि कुछ चीनी नागरिक अपनी जान को खतरा होने के कारण पाकिस्तान छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। पाकिस्तानी सरकार बार-बार अपराधियों को पकड़ने का वादा कर रही है। चीन भी अपने नागरिकों की पुख्ता सुरक्षा की मांग कर रहा है। हालांकि चीनियों पर हमले थम नहीं रहे हैं। चीनी नागरिकों पर हो रहे हमलों के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और इस्लामिक स्टेट-खुरासान को जिम्मेदार माना जाता है। यह तीनों इस्लामिक आतंकी संगठन पाकिस्तान सरकार के खिलाफ लगभग जंग छेड़े हुए हैं। टीटीपी भी चीनियों के पीछे हाथ धोकर पड़ा है। हालांकि यह सच है कि चीनी नागरिकों पर होने वाले हमलों की बीएलए ने सबसे अधिक बार जिम्मेदारी ली है, जिसमें बीते मार्च में ग्वादर बंदरगाह के पास एक पाकिस्तानी नौसैनिक हवाई अड्डे पर हमला भी शामिल है। बीएलए ने अप्रैल 2022 में कराची विश्वविद्यालय के कन्फ्यूशियस संस्थान के पास आत्मघाती हमले में तीन चीनी ट्यूटर और एक पाकिस्तानी ड्राइवर की हत्या कर दी थी।

पाकिस्तान का आतंकवाद का शिकार होना दुखद तो है, पर इसने आतंकवाद को भरपूर खाद-पानी भी दिया है। क्या यह बात सारी दुनिया को नहीं पता। कौन नहीं जानता कि मौलाना अजहर और उनके संगठन जैश ए मोहम्मद को पाक सेना के इशारों पर काम करने वाली खुफिया एजेंसी आईएसआई से मदद मिलती है। जैश भारत का जानी दुश्मन रहा है। जैश सरीखे संगठनों को हमारे पंजाब में आतंकवाद के दौर के बचे हुए गुटों को फिर से खड़ा करने का जिम्मा सौंपा गया है। जैश ए मोहम्मद लश्कर ए तैयबा से ज्यादा खतरनाक और जिद्दी संगठन है। इसका एकमात्र मकसद भारत को हर लिहाज से नुकसान पहुंचाना है। पाकिस्तान में कठमुल्ला खुले तौर पर भारत का विरोध करते हैं, जबकि सेना नेपथ्य में रहकर।

पाकिस्तान के यह सभी कठमुल्ले पंजाबी मूल के हैं। पाकिस्तान में भारत के मित्रों के लिए स्पेस खत्म हो चुका है। पाकिस्तान में निर्वाचित सरकार पर कठमुल्लों और सेना का दबाव अपने आप में गंभीर मसला है। आपके पड़ोस में अराजकता का होना सही नहीं माना जा सकता। इससे आप भी परेशान ही होते हैं। भारत का यह दुर्भाग्य ही है कि पाकिस्तान जैसा घटिया देश उसका पड़ोसी है। इससे तमाम मोर्चो पर डील करना चुनौती तो होती ही है।

दरअसल पाकिस्तान जनता का दुर्भाग्य है कि उन्हें बेहद गैर-जिम्मेदार नेता और गैर-जिम्मेदार सरकार मिलते रहे हैं। ऊपर से करप्ट सेना ने पाकिस्तान को कहीं का नहीं रहने दिया। पिछले साल पाकिस्तान बाढ़ से तबाह हो गया था। तब पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनिया से मदद की गुहार लगा रहा था। दूसरी तरफ वह हथियारों का सौदा भी कर रहा था। बाढ़ के कारण देशभर में 800 से अधिक लोगों के मारे गए थे और लाखों लोग बेघर हो गये थे। फिलहाल पाकिस्तान कठमुल्लों के आगे बेबस है। चीनियों पर लगातार हो रहे हमले इस बात की गवाही हैं।

Invitin.g Shopperr's

Design Your Dream Attire

- Couture, Clothing & Designer Fabrics
- Rental Wedding, Lehengas, & Gowns
- Exclusive Nail Art
- Designer Mehandi
- Cosmetics

B-20/11, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi | Mob.: 9911294429, 011-45294429

SINCE 1975
KARAN'S
VAISHNO DHABA
MOUTH WATERING CUISINES
Lunch: 11:30am to 4.00pm * Dinner: 7.00pm to 11.00 pm
Food Without Onion & Garlics On Every Navratra
Note:
Please allow extra time for delivery on Suturday, Sunday and Holiday
Rates are subject to change without prior notice
Minimum delivery time 30 min. to 45min
All the items may not be available at all the time
Home delevery charged rs. 20. - within 1km
Home Delevery
8700965740, 9871558873, 9212598873
Spl. In Outdoor Catering

S.B. Malik (Jaggu Ji)
9311906362
011-41421363
Prince Realtech & Developers
SALE
PURCHASE
RENTING
COLLABORATION
AGRICULTURE LAND
FARM LAND
RESIDENTIAL
COMMERCIAL
INDUSTRIAL
B-121AC, Mansarover Garden, New Delhi-110015

We Positive Care
We Positive Care
Chitragupt Foundation
C186 A , 4th floor hari nagar clock tower, Pincode 110064

Punnu Biriyani
M:- 093134 07108
punnubiriyani.com
Free Home Delivery
011-25119013, 41447298, 25446671
(Jhatka Used Here)
Note- For Franchise Inquiry, call- 9313407108
DDA LIG Market, Near Cambridge Foundation School, Rajouri Garden, New Delhi, Delhi 110027
Takeout / Delivery Open Closes 23:30

श्री राधे
श्री गणेशाय: नम:
श्री राधिका ज्योतिष शोध संस्थान
ज्योतिष, वास्तु अंक विद्या, हस्त रेखा व लाल किताब, पीली किताब द्वारा सभी समस्याओं का समाधान
शादी या सन्तान नही होना, नौकरी नही लगना, व्यापार नही चलना शारीरिक परेशानी या गृह कलेश रहना व अजीब घटनाओं का घटना
आपकी कुण्डली में घटित मांगलिक दोष, ग्रहण दोष व काल सर्प दोष व अन्य सभी दोषों के समाधान के लिए सम्पर्क करें।
सभी प्रकार के वैदिक अनुष्ठानों के लिए सम्पर्क करें।
Pt. S.K. Sharma, Vedic Astrolger n Healer!

Thirak Fitness Classes
Be Healthy
Learn YOGA
• Yoga with Zumba
• Exercise
• Dumble Exercise
• Stepper Exercise
• Abs Workout
• Meditation
• Pranayam
WEDDING CHOREOGRAPHY & EVENT MANAGEMENT WORKSHOP
Venue : 7/89, Ramesh Nagar
Contact : Mrs. EKTA ABROL
Mob:- 9899900178

फीजियोथिरेपी सेन्टर
आधुनिक मशीनों से युक्त व कुशल डॉक्टर की देख रेख में चल रहा है।
समय: प्रात 9 बजे से 12 बजे तक एवं सायं 5 बजे से 7 बजे तक
रविवार अवकाश
कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजी.)
गीता भवन, कीर्ति नगर, नई दिल्ली- 110015

सीएम आवास सील होने पर गरमाई दिल्ली की सियासत

नई दिल्ली। सिविल लाइंस स्थित 6, फ्लैग स्टाफ रोड पर सीएम आवास के सील होने के बाद दिल्ली की सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री सचिवालय (सीएमओ) की तरफ से इसे जबरन की गई कार्रवाई करार दिया गया है। साथ में आशंका जताई है कि इसे भाजपा के किसी बड़े नेता को दिया जा सकता है।

बुधवार शाम सीएमओ की तरफ से बयान जारी किया गया कि एलजी के आदेश पर मुख्यमंत्री आतिशी का सामान उनके आधिकारिक आवास से जबरन बाहर निकाल दिया गया। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है, जब जनता द्वारा चुने गए मुख्यमंत्री को सीएम कैंप कार्यालय और आवास से जबरन बेदखल कर दिया गया। पीडब्ल्यूडी ने 6 अक्तूबर को सीएम आवास की चाबी आतिशी को सौंप दी थी। इस प्रक्रिया में विभाग ने सभी नियमों और प्रोटोकॉल का पालन किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने इसका अनापत्ति प्रमाणपत्र भी जारी किया है। सीएम आवास खाली करने के दौरान पीडब्ल्यूडी ने आधिकारिक तौर पर पूर्व सीएम केजरीवाल के आवास खाली करने की रिपोर्ट भी दी है। बाद में पीडब्ल्यूडी ने सीएम आवास की चाबियां मुख्यमंत्री आतिशी को सौंप दीं। भाजपा ने एलजी से मिलीभगत कर सामान सीएम आवास से जबरन बाहर निकलवा दिया। भाजपा दिल्ली सरकार के हर अधिकार को किसी न किसी तरह से छीनने की कोशिश कर रही है।

आवास को सील करने की योजना पीडब्ल्यूडी ने बुधवार सुबह ही तैयार कर ली थी। करीब आठ बजे विभाग ने उत्तरी जिला पुलिस से अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की थी। डीसीपी ने फोर्स मुहैया कराई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुबह से लेकर देर रात तक 6 फ्लैग स्टाफ रोड पर अतिरिक्त पुलिस तैनात रही।

पीडब्ल्यूडी के एई के चार अक्तूबर के पत्र के जवाब में उप सचिव (सीएमओ) सतेंद्र मोहन ने कहा है कि पीडब्ल्यूडी ने पूर्व मुख्यमंत्री को जो आवास की चाबियां दी गई थीं, उसे अस्थायी तौर पर वापस लिया गया है। केजरीवाल ने 4 अक्तूबर को आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास को सुबह करीब 11 बजे खाली कर दिया था और चाबी मुख्यमंत्री कैंप ऑफिस में सेक्शन ऑफिसर को सौंप दी थी।

पांच अक्तूबर को मुख्यमंत्री कार्यालय ने पीडब्ल्यूडी और जीएडी को पत्र भेजकर आगे की आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया था। इसी दिन पीडब्ल्यूडी के जूनियर इंजीनियर ने सीएम कैंप कार्यालय के सेक्शन ऑफिसर को आवास खाली करने की रिपोर्ट सौंपी।

चार अक्तूबर को मुख्यमंत्री सचिवालय ने आतिशी को सीएम आवास आवंटित करने का अनुरोध किया था।

आवास के लिए नो ड्यूज सर्टिफिकेट जीएडी ने 7 अक्तूबर को केजरीवाल को जारी किया गया।

अतिशी ने 6 अक्तूबर दोपहर 2 बजे मुख्यमंत्री आवास का दौरा किया, जहां पीडब्ल्यूडी अधिकारी मौजूद थे।

इसी दौरान सेक्शन ऑफिसर ने पीडब्ल्यूडी के जूनियर इंजीनियर को चाबियां दीं और उन्होंने चाबियों को मुख्यमंत्री आतिशी को सौंप दिया।

प्रदेश भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निवास को सील करने की कार्रवाई का स्वागत किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को कहा कि लोकनिर्माण विभाग को इस विवादित 'शीश महल' को पहले ही सील कर देना चाहिए था, क्योंकि सीलिंग जन आकांक्षाओं के अनुरूप है और विभाग को इस भवन का वीडियो ग्राफिक सर्वेक्षण करवाकर रिपोर्ट दिल्ली की जनता के समक्ष रखनी चाहिए।

भाजपा लगातार जांच व सीलिंग की मांग कर रही है। अब इसकी हर बात को जनता के बीच रखा जाना चाहिए। फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले पर मुख्यमंत्री आतिशी का बिना सरकारी आवंटन नियमों के पालन के कब्जा करवाने की जल्दबाजी साफ दर्शाती है कि बंगले में कुछ न कुछ ऐसा है जिसे केजरीवाल न सिर्फ दिल्ली वालों से बल्कि कानून एवं लोकनिर्माण विभाग तक से छुपाकर रखना चाहते हैं।

शनिवार तक मध्यम श्रेणी में रहेगी आबोहवा, आईटीओ में 500 पहुंचा एक्यूआई

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की दिशा बदलने और गति तेज होने से आबोहवा मध्यम श्रेणी में बरकरार है। बुधवार को आसमान में आसमान साफ रहने से प्रदूषण के स्तर में कमी देखने को मिली है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 164 दर्ज किया गया। यह मध्यम श्रेणी में है। ऐसे में हवा 10 से 16 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चली।

सीपीसीबी के मुताबिक एनसीआर में सबसे साफ हवा फरीदाबाद में रही। यहां एक्यूआई 87 दर्ज किया, यह संतोषजनक श्रेणी में है। साथ ही, गुरुग्राम में 136, गाजियाबाद में 214, नोएडा में 163, ग्रेटर नोएडा में 182 एक्यूआई रहा। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के अनुसार शनिवार तक हवा मध्यम श्रेणी में बनी रहेगी।

पैक सामान के बीच काम करती नजर आईं सीएम आतिशी, मुख्यमंत्री आवास सील होने के बाद की पहली तस्वीर

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूडी ने बुधवार को सिविल लाइंस स्थित 6, फ्लैग स्टाफ रोड पर सीएम आवास सील कर दिया। मुख्यमंत्री आतिशी का सामान बाहर निकाल दिया गया। मुख्यमंत्री आवास सील होने के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की पहली तस्वीर सामने आई है। जिसमें आतिशी पैक सामान के बीच काम करती नजर आ रही हैं। सीएम अपने निजी निवास से काम करती नजर आ रही हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संजय सिंह ने लिखा, 'देख लो भाजपाइयों! तुमने एक चुने हुए मुख्यमंत्री से उसका दिल्ली की जनता द्वारा दिया हुआ घर तो छीन लिया। लेकिन दिल्ली की जनता के लिए काम करने के जज्बे को कैसे छीनोगे? तुमने नवरात्रि में एक महिला मुख्यमंत्री का जो घर का सामान उनके घर से फिंकवाया वो भी देख लो और दिल्ली की जनता के लिए उनका समर्पण भी देख लो।'

संजय सिंह ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि एक चुनी हुई महिला मुख्यमंत्री का सामान भाजपा के एलजी द्वारा मुख्यमंत्री आवास से फिकवा दिया गया। PWD विभाग ने रविवार को ही मुख्यमंत्री आवास की चाबी दे दी थी, तो फिर LG ने किस आधार पर सीएम आतिशी का सामान बाहर फिकवा दिया? भाजपा दिल्ली में 27 साल से वनवास झेल रही है और अब वह मुख्यमंत्री आवास पर कब्जा करना चाहती है। दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को जनादेश दिया है, और यह कृत्य दिल्ली की जनता का अपमान है।

उधर, बुधवार शाम सीएमओ की तरफ से बयान जारी किया गया कि एलजी के आदेश पर मुख्यमंत्री आतिशी का सामान उनके आधिकारिक आवास से जबरन बाहर निकाल दिया गया। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है, जब जनता द्वारा चुने गए मुख्यमंत्री को सीएम कैंप कार्यालय और आवास से जबरन बेदखल कर दिया गया। पीडब्ल्यूडी ने 6 अक्तूबर को सीएम आवास की चाबी आतिशी को सौंप दी थी। इस प्रक्रिया में विभाग ने सभी नियमों और प्रोटोकॉल का पालन किया गया है।

आप ने मुख्यमंत्री आतिशी को सीएम आवास आवंटित न होने पर भाजपा को घेरा। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में आरोप लगाते हुए कहा कि 27 सालों से भाजपा दिल्ली में वनवास काट रही है।

देखिए रेगिस्तान के हिल स्टेशन की 7 खूबसूरत जगहें

विश्वविख्यात देलवाड़ा जैन मंदिर

राजस्थान का लोकप्रिय पर्यटन स्थल माउंटआबू प्रकृति की नायाब देन है। यह राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन है। अब यह भारतवासियों के साथ-साथ विदेशी सैलानियों का भी मुख्य आकर्षण बनता जा रहा है। भाग-दौड़ से भरे जीवन में एन्जॉय करने के लिए माउंटआबू सबसे प्यारा रमणीय स्थल है। गर्मीयो के दिनों में लोग यहां कुछ पल सुकुन से गुजारने, मनोरंजन और मौज मस्ती करने आते हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक बार यहां पर पास के खड्डे में मुनि वशिष्ठ की गाय 'नंदिनी' गिर गई। मुनि ने गाय को बाहर निकालने के लिए सरस्वती नदी से सहायता मांगी, इस पर मुनि वशिष्ठ ने सोचा कि यह खड्डु तो हमेशा के लिए सिरदर्द रहेगा। अतः उन्होंने हिमालय से खड्डु भरने के लिए निवेदन किया। इस पर हिमालय ने अपने छोटे लंगड़े पुत्र नन्दीवर्धन को खड्डु भरने की आज्ञा दी।

नंदीवर्धन एक विशाल सर्प के फन पर बैठकर गया एवं उसे खड्डे के भरने पर उस पर जो पर्वत खड़ा किया वह उस सर्प की शर्त के अनुसार माउंट आबू 'अर्बुद' के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी पर्वत पर 'अर्बुदा' देवी का मुख्य मंदिर 5,500 हजार वर्ष पुराना मंदिर प्राचीन तीर्थ है। एक आधारशिला के नीचे स्थित होने के कारण इसे अधरदेवी भी कहते हैं। आइए, अब हम आपको इस खूबसबरत हिल स्टेशन की कुछ खूबसबरत जगहों के बारे में बताते हैं।

1. गुरूशिखर

अरावली की सबसे ऊंची चोटी 'गुरुशिखर' आबू नगर से लगभग 16 किमी. दूरी पर है। समुद्रतल से इसकी ऊंचाई 5653 फीट है। इस चोटी पर भगवान दत्तात्रेय मंदिर है। यहां एक विशाल घंटा है जिसकी ध्वनि हजारों फीट नीचे मैदानी भाग में सुनाई पड़ती थी।

2. अचलगढ़ का किला

अचलगढ़ शहर में अचलेश्वर महादेव जी का मंदिर है। अचलेश्वर मंदिर से आगे एक दुर्ग आता है जिसके कारण इसे अचलगढ़ के नाम से जाना जाता है। अचलेश्वर मंदिर के आगे सीढ़ियां चढ़कर लक्ष्मी नारायण जी का मंदिर है। फिर जैन तीर्थकर कुथुनाथ का मंदिर है जिसमें पीतल की विशाल मूर्ति है।

3. नक्खी झील

यह झील आबू पर्वत की सुन्दरता में चार चांद लगाती है। नक्खी झील गंगा व पुष्कर झील के समान ही पवित्र मानी गई हैं। मान्यता है कि बालम रसिया ने इस झील को अपने नाखूनों से खोदा था। झील के चारों ओर पर्वतीय चट्टानें हैं जिनमें एक मेढ़क के आकार की विशाल चट्टान है। जिसे टॉडराक के नाम से जाना जाता है। इस झील पर कार्तिक पूर्णिमा को स्नान करने की विशेष महत्ता है।

4. विश्वविख्यात देलवाड़ा जैन मंदिर

विश्वविख्यात देलवाड़ा जैन मंदिर अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए प्रसिद्ध है। यह बस स्टेशन से तीन किलोमीटर की दूरी पर है। यहां के तीन मंदिर मुख्य हैं-पहला विमल वसहिं, दूसरा-लूणवसहिं, तीसरा-पित्तलहर या भीमाशाह का मंदिर।

5. विमलवसहिं

यह मंदिर 1031 में चन्द्रावती के दंडनायक एवं अणहिलवाड़ा के व्यापारी विमलशाह की ओर से बनाया गया। इस मंदिर को बनाने में उस समय 18 करोड़ 53 लाख रुपये खर्च हुए। हर स्तंभ छतरी एवं बेदी की बनावट व सजावट प्रस्तर की बारीक खुदाई भी भिन्न-भिन्न प्रकार से की गई है। 14 वर्षो में 15 सौ कारीगरों, 12 सौ श्रमिकों की ओर से कठिन परिश्रम से बनकर तैयार इस मंदिर के लिए विमल शाह ने अनेक युद्ध भी किए थे।

6. लूंणवसहिं मंदिर

इसका निर्माण गुजरात के सोलंकी राजा वीरध्वज के महामंत्री वस्तुपाल व तेजपाल नामक दो भाईयों ने करवाया। इस मंदिर पर 12 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत आयी और 15 सौ कारीगरों की सहायता से यह मंदिर सात वर्ष की अवधि में बनकर तैयार हुआ। यह मंदिर 22वें जैन तीर्थकर भगवान नेमिनाथ को समर्पित है।

7. भीमाशाह का पित्तलहर का मंदिर

इस मंदिर में प्रथम जैन तीर्थकर आदिनाथ की 108 मन वजन की पीतल धातु की प्रतिमा है। इसका निर्माण अहमदाबाद के सुल्तान महमूद बेगड़ा के दरबारी सुंदर व गदा ने किया था। पीतल की मूर्ति के कारण ही इसे पित्तलहर कहते हैं। इन मंदिरों को बाहर से देखने पर इनकी सरलता से भीतर की भव्यता का अनुमान लगाना अत्यंत कठिन है। यह दर्शकों के लिए दोपहर 12 से सायंकाल 6 बजे तक खुला रहता है।

8. अन्य स्थल

श्री रघुनाथ मंदिर,वशिष्ठ आश्रम, ब्रह्माकुमारी ओमशांति भवन, ज्ञान सरोवर, संत सरोवर, सूर्यास्त स्थल, अनादरा प्वाइंट, सूर्योदय स्थल, शंकर मठ, लख-चैरासी, अग्नि कुण्ड, ननराक, बेलेज वॉक, देव आंगन, नीलकंठ महादेव, पीस पार्क, विवेकानंद गार्डन, पालनपुर प्वाइंट, कोदरा डेम्प, मुख्य बाजार स्थित बिहारी जी मंदिर आबू के पर्यटन स्थलों में अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं।

BDS since 1975

MATTRESS HI MATTRESS

Hush,
Serta,
Kingkoil,
Simmons
Nilkamal,
Therapedic

World Class Mattresses

BDS

Ms. Parvinder Kaur
9560509507

Visit: 79/3, W.H.S. Kirti Nagar, Delhi - 110015

हैरी ब्रूक ने जड़ी करियर की पहली ट्रिपल सेंचुरी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के उभरते हुए स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक को पाकिस्तान काफी रास आ रहा है। ब्रूक ने गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक जड़ा और वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। ब्रूक ने 322 गेंदों में 29 चौके और तीन छक्के की मदद से 317 रन बनाए। सैम अय्यूब ने ब्रूक की पारी का अंत किया।

बता दें कि हैरी ब्रूक ने मुल्तान टेस्ट को यादगार बनाते हुए अपने करियर का पहला तिहरा शतक जड़ा। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 310 गेंदों में 28 चौके और तीन छक्के की मदद से अपनी ट्रिपल सेंचुरी पूरी की। ब्रूक टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक जमाने वाले छठे इंग्लिश बल्लेबाज बने। ब्रूक 34 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक जमाने वाले इंग्लिश बल्लेबाज बने।

हैरी ब्रूक ने मुल्तान टेस्ट में वैसे तो रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। उन्होंने अनुभवी बल्लेबाज जो रूट (262) के साथ चौथे विकेट के लिए 454 रन की साझेदारी की। इस जोड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में 67 रन पुराना कीर्तिमान ध्वस्त किया। इससे पहले 1957 में पीटर मे और कॉलिन काउड्रे ने 411 रन की पार्टनरशिप की थी।

बहरहाल, हैरी ब्रूक ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। ब्रूक ने पाकिस्तान में चौथा शतक जमाया। इस तरह वह पाकिस्तान में बतौर विदेशी बल्लेबाज सबसे ज्यादा टेस्ट शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ब्रूक ने भारत के पूर्व ऑलराउंडर मोहिंदर अमरनाथ और पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज अरविंद डी सिल्वा की बराबरी की। इन तीनों बल्लेबाजों ने पाकिस्तान में चार-चार शतक जमाएं।

वहीं, ब्रूक ने पाकिस्तान में बतौर विदेशी बल्लेबाज सबसे ज्यादा शतक जमाने के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलेन बॉर्डर को पीछे छोड़ा। गावस्कर और बॉर्डर ने पाकिस्तान में तीन-तीन शतक जड़े थे।

हैरी ब्रूक ने टेस्ट क्रिकेट में दूसरी सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी जमाई। उन्होंने 310 गेंदों में अपना पहला तिहरा शतक जमाया। बता दें कि टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी जमाने का रिकॉर्ड भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2008 में केवल 278 गेंदों में तिहरा शतक पूरा किया था।

युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी का दमदार प्रदर्शन

टी20I की एक पारी में 70 से ज्यादा रन और दो विकेट लेने वाले बने भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20I में दो बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह पहले भारतीय खिलाड़ी बने जिन्होंने एक ही मैच में 70 से ज्यादा रन की पारी खेली और गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाए। अभी तक टी20I में कोई भारतीय ऐसा नहीं कर सका। इसके साथ ही दूसरे युवा भारतीय खिलाड़ी बने जिसने प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता।

दिल्ली के अरुण जेटली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। तीन विकेट जल्द गंवाने के बाद नीतीश रेड्डी और रिंकू सिंह ने ताड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए बड़े स्कोर की नींव रखी। रिंकू सिंह और नीतीश के बीच चौथे विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी हुई। इस दौरान नीतीश रेड्डी ने अपना पहला टी20I अर्धशतक जड़ा।

नीतीश रेड्डी ने तेज खेलते हुए 34 गेंद पर 74 रन की पारी खेली। इस दौरान चार चौके और 7 छक्के लगाए। बल्लेबाजी में अपना जलवा बिखेरने के बाद नीतीश कुमार ने गेंदबाजी में भी कमाल कर दिया। नीतीश ने चार ओवर में 23 रन खर्च करते हुए दो महत्वपूर्ण विकेट लिए। इस उम्दा प्रदर्शन से नीतीश रेड्डी ने इतिहास रच दिया। वह टी20I के एक ही मैच में 70 से ज्यादा रन की पारी और दो विकेट लेने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए POTM जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

20 वर्ष 143 दिन - रोहित शर्मा
21 वर्ष 136 दिन - नितीश कुमार रेड्डी
21 वर्ष 164 दिन - रवि बिश्नोई
21 वर्ष 178 दिन - अक्षर पटेल
21 वर्ष 185 दिन - दिनेश कार्तिक
21 वर्ष 227 दिन - यशस्वी जायसवाल

दूसरे बने सबसे युवा खिलाड़ी

नीतीश कुमार रेड्डी को उनके इस उम्दा प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी दिया गया। नीतीश यह खिताब जीतने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बन गए। नीतीश ने 21 साल 136 दिन की उम्र में खिताब जीता। नीतीश रेड्डी ने रवि बिश्नोई को पीछे छोड़ा। इस लिस्ट में टॉप पर रोहित शर्मा काबिज हैं। रोहित को 20 साल 143 दिन में उनका पहला प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला था।

पाकिस्तान को लगा झटका, सेमीफाइनल की राह हुई कठिन

दुबई। श्रीलंका के खिलाफ जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के लिए मुश्किलें पैदा कर दी हैं। भारत बनाम श्रीलंका मैच से पहले ग्रुप ए की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहने वाली फातिमा सना की टीम अब तीसरे पायदान पर खिसक गई है। उनकी जगह हरमनप्रीत कौर की टीम ने ले ली है। हम यहां आपको ग्रुप ए के समीकरणों के विषय में बताएंगे कि किस तरह भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत 82 रनों से जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। इस मैच से पहले उनका नेट रनरेट चिंता का विषय बना हुआ था। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ जीत के साथ उनका नेट रनरेट अब +0.576 का हो गया है और उनके खाते में चार अंक हो गए हैं। शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है जिनका नेट रनरेट ग्रुप की अन्य टीमों के मुकाबलों काफी बेहतर है। लगातार दो मैचों में दो जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेट रनरेट 2.524 का है और उनके खाते में चार अंक हैं।

भारत की इस जीत ने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दरअसल, दोनों ग्रुपों की अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमें ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करती हैं। अब भारत को अपना अंतिम मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है। यह मैच 13 अक्तूबर को दुबई में ही खेला जाएगा। अगर भारत इस मैच में जीत हासिल करने में कामयाब होता है तो उनकी स्थिति अंक तालिका में मजबूत हो जाएगी बशर्ते उन्हें यह मैच बड़े अंत से जीतना होगा।

आईसीसी कर रहा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के वेन्यू को लेकर खास प्लानिंग!

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले वर्ष होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन को लेकर फिलहाल तीन विकल्पों पर विचार कर रही है। तय कार्यक्रम के अनुसार टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान में होना है। भले ही टूर्नामेंट के आयोजन का अधिकार पाकिस्तान के पास है, लेकिन आईसीसी अब भी अन्य विकल्पों की तलाश में है।

सूत्रों के मुताबिक, आइसीसी हाइब्रिड माडल के बारे में भी सोच रही है जिसमें पाकिस्तान और यूएई में मिलाकर मैच खेले जाएं। ऐसे में भारत के सभी मैच और नाकआउट मैच यूएई में आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा एक और विकल्प की चर्चा है, जिसमें पूरा टूर्नामेंट पाकिस्तान के बाहर कराने की बात हो रही है।

फिलहाल यूएई, श्रीलंका या दक्षिण अफ्रीका को संभावित आयोजन स्थल के रूप में देखा जा रहा है। 1996 वनडे विश्व कप की सह मेजबान रहने वाली पाकिस्तान ने इसके बाद से किसी आइसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं की है। 2011 वनडे विश्व कप में पाकिस्तान को सह मेजबान बनाया गया था, लेकिन 2008 में श्रीलंका क्रिकेट टीम पर हुए आतंकी हमले के कारण उनके हाथ से यह मौका निकल गया था। 2008 के बाद से ही भारत ने अपनी टीम को कभी पाकिस्तान के दौरे पर नहीं भेजा है।

इंडियन आइडल पर जजों की टिप्पणियों

कोलकाता के पान विक्रेता शुभजीत चक्रवर्ती के सपनों को दिशा मिलेगी या वे चकनाचूर हो जाएंगे?

भारत का प्रिय सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर सीज़न 15 के साथ वापस आ गया है, और देश भर से कुछ बेहतरीन आवाज़ों को प्रदर्शित कर रहा है। इसके ऑडिशन में न केवल लाजवाब सिंगिंग टैलेंट वाले बल्कि प्रेरक कहानियों वाले प्रतियोगियों का हुजूम उमड़ा है। ऐसे ही एक असाधारण प्रतियोगी हैं कोलकाता के 22 वर्षीय शुभजीत चक्रवर्ती। एक साधारण पान की दुकान के मालिक, शुभजीत न केवल अपने परिवार के लिए आजीविका कमा रहे हैं, बल्कि संगीतकार के रूप में सफल होने के अपने पिता के सपने को पूरा करने की दिशा में भी प्रयास कर रहे हैं। वह अपनी मां के साथ दुकान चलाते हैं, लेकिन उनके मन में हमेशा संगीत रहता है, जिसका श्रेय उनके पिता को जाता है, जो एक संगीतकार हैं। शुभजीत ने पंडित जॉयतो शंकर के मार्गदर्शन में अपनी कला को निखारा है, और लोक संगीत के साथ उनका गहरा जुड़ाव उनके प्रदर्शन में झलकता है।

अपने परफ़ॉर्मेंस से पहले, शुभजीत ने जजों को पान खिलाया, और उनके इस भाव ने तुरंत जजों का दिल जीत लिया। लेकिन यह

उनकी आवाज़ ही थी जिसने उन्हें वाकई मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने एक मार्मिक लोक गीत प्रस्तुत किया, जिससे उन्हें जजों से स्टैंडिंग ओवेशन मिला और उन्होंने एक अमिट छाप छोड़ी।

स्वयं लोक संगीत की पारखी, श्रेया घोषाल ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, "अगर आप लोक गीत जानते हैं, तो आपने वाकई सिंगिंग के सार को समझ लिया है। आपकी आवाज़ ने मेरे दिल में खास जगह बना ली है। लोक संगीत हमें ईश्वर के करीब लाता है, और आपने इसे साकार किया है। अपने दूसरे गाने में, आपने राग को अपनाया और उसे अपना बना लिया। ईश्वर आपके साथ है, और यह आपकी आवाज़ की सुंदरता में दिखता है।"

इस परफ़ॉर्मेंस के दौरान एक अनोखा पल भी देखने को मिला, जब शुभजीत द्वारा अपने साथ लाए गए भपंग से मंत्रमुग्ध होकर, विशाल ददलानी ने उन्हें पारंपरिक इंस्ट्रूमेंट बजाना सीखने के लिए कहा। विशाल शुभजीत की सच्ची प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा, "हम हमेशा इस बारे में बात करते हैं कि सिंगिंग शो में क्या ज़रूरी है, और आपके पास सब कुछ था - यह परफ़ॉर्मेंस साफ, सच्चा, सुंदर और जादुई था। मेरा दिल भर आया है। वाजिद की कमी हमेशा खलेगी, लेकिन आपका परफ़ॉर्मेंस उस विरासत की खूबसूरत याद दिलाता है।" लेकिन सवाल यह है कि क्या वह गोल्डन टिकट जीतकर आगे बढ़ पाएंगे?

'एक युग का अंत हो गया', रतन टाटा के निधन पर भावुक हुए अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने गुरुवार को रतन टाटा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टाटा के निधन से एक युग का अंत हो गया।

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "अभी रतन टाटा के निधन के बारे में पता चलाङ्क मैं बहुत देर तक काम करता रहा। एक युग समाप्त हो गया है। एक अत्यंत सम्मानित, विनम्र लेकिन दूरदर्शी नेता, जिनकी दृष्टि और संकल्प अद्वितीय थे।"

रतन टाटा के साथ बिताए गए विशेष क्षणों को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा कि हमने उनके साथ कई शानदार पल बिताए, कई अभियानों के दौरान हम साथ-साथ शामिल रहे। मेरी प्रार्थनाएं (हाथ जोड़ने वाला इमोजी)।

बता दें, अमिताभ के लिए रतन टाटा ने एक फिल्म ऐतबार प्रोड्यूस की थी, जो असफल रही और इसके बाद टाटा ने हिंदी फिल्मों से दूरी बना ली थी।

बता दें कि रतन टाटा भारतीय उद्योग जगत के एक प्रतिष्ठित चेहरा थे, जिन्होंने अपने नेतृत्व में टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। रतन टाटा ने बुधवार को ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली, सोमवार को उन्हें कुछ आयु-संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

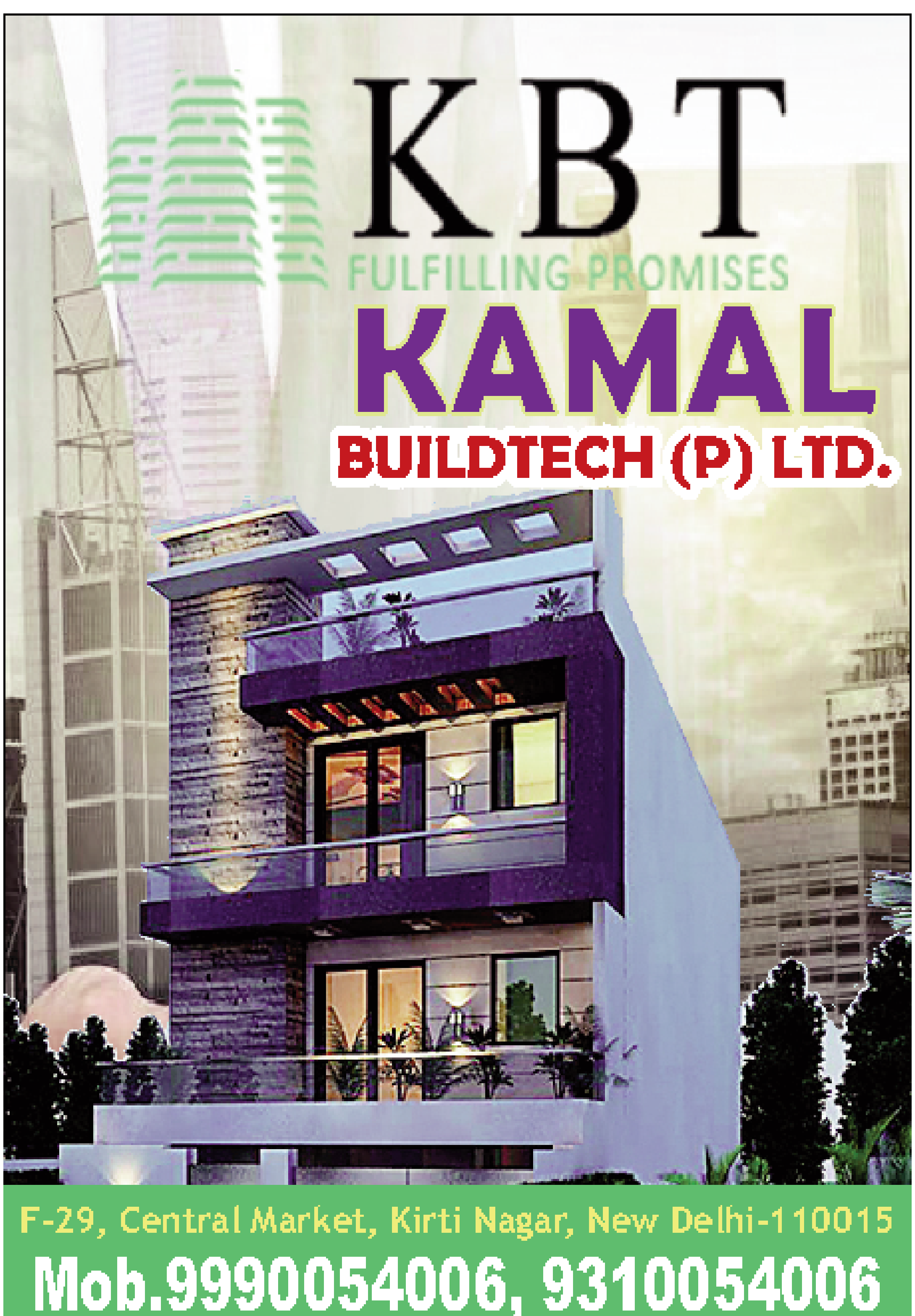

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No. DELHIN/2013/48040, संपर्क 8826286868